एन सी ई आर टी

वार्षिक रिपोर्ट 2008-2009

एन सी ई आर टी

वार्षिक रिपोर्ट 2008-2009

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

दिसम्बर 2009
अग्रहायण 1931

PD 3H NSY

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2009

प्रकाशन विभाग में सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशित तथा सरस्वती प्रिंटिंग प्रेस, ए-15, सैक्टर-5, नोएडा 201 301 द्वारा मुद्रित।

आमुख

विछले वित्त वर्ष 2008-09 में *राष्ट्रीयपाठ्यचर्याकीरूपरेखा-2005*के क्रियान्वयन को लेकर राज्य सरकारों की दिलचस्पी बड़े पैमाने पर बढ़ी है। राष्ट्रीय परिषद् की नई पाठ्यपुस्तकों को पुनर्मुद्रित करने के लिए कॉपीराइट संबंधी अनुमति लेने वाले राज्यों की संख्या बढ़कर चौदह हो गई है। एन.सी.ई.आर.टी. ने राज्य सरकारों को पाठ्यचर्या और प्रशिक्षण संबंधी नीतियों पर पुनर्विचार के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से महत्त्वपूर्ण प्रयास किये हैं। सर्वशिक्षा अभियान के अंतर्गत गुणवत्ता की निगरानी और बच्चों की प्रगति के सर्वेक्षणों के अलावा एन.सी.ई.आर.टी. ने प्राथमिक कक्षाओं में गणित के शिक्षण में सुधार और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने के नए कार्यक्रम शुरू किए। शुरूआती कक्षाओं में पढ़ना सिखाने की विधियों में सुधार लाने के हमारे प्रयास आगे बढ़े हैं और इनके अंतर्गत 40 भागों वाली ऐसी स्तर-बद्ध पुस्तकमाला बनाई गई है जिसकी मदद से कक्षा 1 और 2 के बच्चे स्वयं पढ़ना सीख सकते हैं। इसके अलावा इन कक्षाओं में पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए एक निर्देशिका प्रकाशित की गई है। राष्ट्रीय परिषद् द्वारा प्रकाशित बाल साहित्य और ऑडियो-विज़ुअल सामग्री के प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

नई सूचना और संचार टैक्नोलॉजी की मदद से *गाइडेंसऔरकाउंसलिंग*के डिप्लोमा कोर्स के विस्तार के लिए एक महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम आरंभ किया गया है। इस तरह के पहले कोर्स ने शिक्षकों में व्यापक रुचि पैदा की है और इस कार्यक्रम में श्रीलंका और भूटान से आए शिक्षक शामिल हैं। अफगानिस्तान सरकार के साथ अध्यापक शिक्षण में पाठ्यचर्या संबंधी सुधारों के लिए एक बड़ा कार्यक्रम आरंभ हुआ है। सर्वशिक्षा अभियान के तकनीकी सहयोग कोष के अंतर्गत गुणवत्ता की दृष्टि से कार्यक्रम-मूल्यांकन और आकलन के क्षेत्र में क्षमता-निर्माण कार्यक्रम का प्रयास शुरू किया गया। प्राथमिक कक्षाओं में पारंपरिक किस्म की परीक्षा प्रणाली से हटकर हर बच्चे का समग्र आकलन करने की तकनीकों पर आधारित एक स्रोत पुस्तकमाला प्रकाशित की गई है। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में शिक्षण और पाठ्यचर्या संबंधी सुधारों के लिए एक परियोजना शुरू की गई है।

पारंपरिक विषयों की नई पाठ्यपुस्तकों के विकास का कार्यक्रम पूरा हो जाने के बाद एन.सी.ई.आर.टी. ने कक्षा 11 और 12 के स्तर पर ऐच्छिक विषयों के रूप में लिए जा सकने वाले कुछ नए क्षेत्रों की पाठ्यपुस्तकों के निर्माण का कार्य आरंभ किया है। इस तरह की पाठ्यपुस्तकें *धरोहर हस्तकलाओं*,*ग्राफिकडिज़ाइन*,*कम्प्यूटरऔरसंचारटैक्नोलॉजी*एवं *मानवपरिवेशऔरपरिवारविज्ञान* (पारंपरिक विषय 'गृह विज्ञान' का आमूल रूप से पुनर्रचित स्वरूप) में लाई गई हैं। विज्ञान और गणित में शिक्षकों द्वारा गतिविधियों के आयोजन के लिए दिशा-निर्देश देने वाली पुस्तकें तैयार की गई हैं। एन.सी.ई.आर.टी. ने उत्तर-पूर्व के राज्यों में अध्यापकों के प्रशिक्षण में सुधार लाने के लिए नई सामग्री तैयार की है। हमारे शिलांग स्थित क्षेत्रीय संस्थान और सभी अन्य क्षेत्रीय संस्थान *राष्ट्रीय पाठ्यचर्याकीरूपरेखा*द्वारा अनुमोदित शैक्षणिक तरीकों के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए स्रोत-व्यक्तियों के प्रशिक्षण का काम कर रहे हैं। दो वर्ष के बी.एड. पाठ्यक्रम की गहराई से पुनर्रचना की गई है और अध्यापक प्रशिक्षण के अन्य कोर्स सुधारे गए हैं। मानव संसाधन विकास

मंत्रालय ने एन.सी.ई.आर.टी. को अध्यापक प्रशिक्षण की केन्द्रीय योजना का मूल्यांकन करने की जिम्मेदारी सौंपी थी। यह काम अब पूरा हो चुका है और आशा की जाती है कि परिषद् द्वारा दिए गए सुझावों की मदद से जिला स्तरीय प्रशिक्षण संस्थानों और अन्य संस्थाओं की भावी नीतियाँ तय की जाएँगी।

इस वार्षिक रिपोर्ट को तैयार करने में डॉ. पप्पाटुथारा दिवाकरण सुभाष और डॉ. मोहम्मद सिराज अनवर ने प्रोफेसर मोरेश्वर सोमाई खापर्डे के निर्देशन में भारी मेहनत की है। मैं इस काम को समय पर पूरा करने के लिए इन दोनों सहयोगियों का आभारी हूँ। हमें आशा है कि नीति-निर्धारकों और विद्वानों को यह वार्षिक रिपोर्ट उन विविध कार्यक्रमों और गतिविधियों की विस्तृत झलक देने में मददगार सिद्ध होगी जिनके जरिए राष्ट्रीय परिषद् भारत के बच्चों की सेवा करती है।

कृष्ण कुमार
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और
प्रशिक्षण परिषद्

नयी दिल्ली
सितम्बर 2009

विषय-सूची

	आमुख	*v*
1.	विहंगावलोकन	1
2.	पाठ्यचर्या समूह	15
3.	प्रारंभिक शिक्षा विभाग	21
4.	विशेष आवश्यकता समूह शिक्षा विभाग	36
5.	महिला अध्ययन विभाग	46
6.	विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग	54
7.	राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान कार्यशाला	66
8.	अध्यापक शिक्षा और विस्तार विभाग	70
9.	सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी शिक्षा विभाग	80
10.	कला एवं सौंदर्य शिक्षा विभाग	92
11.	भाषा विभाग	97
12.	शैक्षिक मनोविज्ञान और शिक्षा आधार विभाग	106
13.	शैक्षिक मापन और मूल्यांकन विभाग	116
14.	शैक्षिक सर्वेक्षण और आँकड़ा प्रक्रिया विभाग	129
15.	शैक्षिक अनुसंधान और नीतिगत परिप्रेक्ष्य विभाग	136
16.	कंप्यूटर शिक्षा और प्रौद्योगिकीय सहायता विभाग	142
17.	योजना, कार्यक्रम, परिवीक्षण एवं मूल्यांकन प्रभाग	146
18.	अंतर्राष्ट्रीय संबंध प्रभाग	153
19.	पुस्तकालय, प्रलेखन और सूचना प्रभाग	158
20.	प्रकाशन विभाग	163
21.	हिंदी प्रकोष्ठ	167
22.	रीडिंग डेवलपमेंट सैल	169
23.	केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सी.आई.ई.टी.)	171
24.	पंडित सुंदरलाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान	181

25. क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान 191

– क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर 195
– क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल 208
– क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भुवनेश्वर 218
– क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, मैसूर 229
– पूर्वोत्तर क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, शिलांग 239

परिशिष्ट

I एन.सी.ई.आर.टी. की समितियाँ : वर्ष 2008-2009 251

II 31 मार्च 2009 को एन.सी.ई.आर.टी. के समेकित संस्वीकृत पदों की संख्या : 31 मार्च 2009 को और आरक्षण की स्थिति 287

III राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् : 31 मार्च 2009 को समाप्त वर्ष का प्राप्ति एवं भुगतान लेखा 288

IV वर्ष 2008-2009 के दौरान निकाले गए प्रकाशन 292

V एन.सी.ई.आर.टी. के प्रकाशन विभाग के क्षेत्रीय उत्पादन एवं वितरण केंद्र 299

VI एन.सी.ई.आर.टी. के संघटक और संकाय 300